www.dainikjayantnews.com
देहरादून (गैरसैंण),
सोमवार : 8 जून 2026
वर्ष: 17
अंक: 44 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

प्रोफेसर की हत्या करने 1400 किमी दूर से आया कपल

- प्रॉपर्टी हड़पना चाहता था, पुलिस ने बंगाल से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल की हत्या का मामला तीन दिन में सुलझा लिया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी एक कपल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी प्रॉपर्टी विवाद के चलते करीब 1400 किमी दूर पश्चिम बंगाल से दिल्ली आए थे। पॉल के पास पश्चिम बंगाल में एक संपत्ति थी, जो उसे नाना के मरने के बाद विरासत में मिली थी। इस संपत्ति की कीमत करोड़ों रुपए है। आरोपी उस घर में किराएदार थे और संपत्ति पर इनकी नजर थी। हालांकि, पॉल उन पर घर खाली करने का दबाव डाल रहा थी। इसी वजह से कपल ने हत्या की साजिश रची ताकि उसकी संपत्ति पर कब्जा कर सकें।

कपल मास्क पहनकर 30 मिनट फ्लैट में रहा

पुलिस जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक कपल फ्लैट में आता दिखाई दिया। दोनों करीब 30 मिनट तक फ्लैट के अंदर रहे। वे प्राइवेट कैब से आए थे और लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों से छठी मंजिल तक गए। शक से बचने के लिए वे अपने बच्चे को भी साथ लाए थे। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों प्रोफेसर से मिलने के बहाने दिल्ली आए थे। देवोस्मिता की बहन देवरति पॉल ने गुरुवार को पुलिस को सूचना दी थी।

वाराणसी में शहर से बाहर शिफ्ट होंगी मांस-मछली की दुकानें

- सावन से पहले नगर निगम का अहम फैसला, योगी सरकार भी ऐक्टिव

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी नगर निगम ने मांस और मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर ट्रांसफर करने का फैसला किया है। सावन से पहले नगर निगम ने यह कदम शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की मंशा से उठाया है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने

रविवार को बताया कि महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मैदागिन स्थित टाउन हॉल भवन में बैठक हुई। इस बैठक में मांस और मछली की दुकानों को शहर से बाहर ट्रांसफर करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में वाराणसी के विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मौजूद नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में पांच जगहों का चयन किया जा चुका है और यह सभी स्थान शहर की बाहरी सीमाओं के करीब हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता को कोई असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा गया है। श्रीवास्तव ने बताया कि योजना के तहत शहर के भीतर संचालित मांस की दुकानों को आगामी दिनों में रामनगर, शुजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्रों में ट्रांसफर किया जाएगा।

गौतम अडानी 1, मुकेश अंबानी 2

एशिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई है। यह उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में यह जानकारी दी गई। अडानी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन को 87 अरब डॉलर के साथ तीसरा पायदान मिला है। सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। गौतम अडानी की संपत्ति का मुख्य स्त्रोत

अडानी समूह की कंपनियों में हिस्सेदारी है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अडानी की संपत्ति में पिछले महीने अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से अडानी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने के बाद से लगभग 10 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद आई थी गिरावट

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2023 में अडानी पर स्टॉक में हेरफेर और व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, भारतीय नियामकों ने पिछले साल इन दावों को खारिज कर दिया था। कहा था कि आरोप सिद्ध नहीं हुए। उन्हें अमेरिका में भी आरोपों का सामना करना पड़ा था। ये अब समाप्त हो चुके हैं।

कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है अडानी ग्रुप

अरबपति उद्योगपति ने पिछले महीने शेयरधारकों को लिखे अपने वार्षिक पत्र में कहा कि अडानी समूह अमेरिकी कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है। ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रहा है। इससे वह एआई आधारित विकास की बढ़ती मांग से फायदा उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के हालिया 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को निवेशकों का विश्वास बताया। यह ऐसे समय पर आया था, जब समूह शासन और नियामक मुद्दों पर सवालों का सामना कर रहा था।

उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते का सवाल नहीं

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर किसी समझौते की संभावना से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त मैसेज देते हुए उत्तर कोरिया की सीनियर अधिकारी किम यो ने कहा कि परमाणु शक्ति के रूप में हमारी स्थिति पर कोई बातचीत नहीं होगी। हम अमेरिका को बताना चाहते हैं कि उत्तर कोरिया किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा।

करोड़ों कैश, पांच बंगले और 14 प्लॉट

'करप्शन किंग' निकला ओडिशा का इंजीनियर

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में सतर्कता विभाग की कार्रवाई में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां पर मात्र 6 हजार महीने की सैलरी पाने वाले इंजीनियर के पास से करोड़ों का कैश मिला है। इसके अलावा उसके पास प्रदेश में अलग-जगह जगों पर मकान और जमीन भी मिली हैं। यह इंजीनियर है बैकुंठनाथ बेहरा, जो

कंधमाल जिले के बालीगुडा में एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहायक कार्यकारी के रूप में तैनात है। उनकी कानूनी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायतों के बाद यह तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

नौ जगहों पर छापेमारी

भुवनेश्वर के विशेष सतर्कता न्यायाधीश की ओर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर विजिलेंस की टीमों ने भुवनेश्वर, बारीपदा, जाजपुर जिले के धर्मशाला और बालीगुडा में कुल नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस टीम में दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पांच उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी), छह निरीक्षक और अन्य सहायक कर्मचारी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान सतर्कता अधिकारियों को भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर स्थित नीलाद्रि विहार में एक चार मंजिला इमारत, शैलाश्री विहार में एक तीन मंजिला इमारत और पटिया में बैद्यनाथ मेमोरियल अस्पताल के पास कानन विहार फेज-एक में एक दो मंजिला मकान का पता चला। अधिकारियों ने 13 जमीनों की पहचान की है, जिनमें भुवनेश्वर के प्रमुख स्थानों में सात प्लॉट और जाजपुर और बरईपाड़ा में हैं।

घर के चूल्हे में फिर लगी 'महंगाई' की आग

घरेलू रसोई गैस की कीमत में 29 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू रसोई गैस एलपीजी की कीमत में 29 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी गई है। यह तीन महीने में दूसरी बढ़ोतरी है, क्योंकि सरकारी ईंधन कंपनियां बढ़ती वैश्विक ऊर्जा लागत से जूझ रही हैं। दिल्ली में 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो गई है। यह नई दर 7 जून से लागू हो गई है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, मार्च में पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिसके चलते 7 मार्च को 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। फिर भी, घरेलू एलपीजी बिक्री पर हो रहे नुकसान को सिर्फ आंशिक रूप से ही कवर किया जा सका। इस बढ़ोतरी से पहले सरकारी तेल कंपनियां हर एलपीजी सिलेंडर पर करीब 703 रुपये का नुकसान उठा रही थीं।

दूसरे ईंधनों की कीमतों में भी वृद्धि

एलपीजी की इस बढ़ोतरी के साथ ही अन्य ईंधनों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। मई के मध्य से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.50 प्रति लीटर रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। सीएनजी की दर में करीब 6 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद तेल कंपनियां पेट्रोल पर 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 33.60 रुपये प्रति लीटर का नुकसान झेल रही हैं। सरकार ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी को उपभोक्ताओं पर नहीं डाला है। वैश्विक कच्चे तेल और ईंधन बाजार की अस्थिरता के बीच राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के जरिए कुछ नुकसान को खुद वहन किया जा रहा है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर शुक्रवार को 5.1 प्रतिशत कर दिया था। पहले इसके 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। इसका मुख्य कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी है। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 प्रतिशत और डीजल में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी का कुल महंगाई पर करीब 0.36 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा। इसके साथ दूसरे दौर के प्रभाव आने वाले महीनों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में दिखाई देंगे।

नीट पेपर लीक के बाद बदलेगा एनटीए का सिस्टम

एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे, पर पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। एक बड़े अखबार के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्सपर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं, शनिवार को अखबार के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है।

रिजिजू बोले- शिक्षा मंत्री पर सीधा आरोप हो तो इस्तीफा मांगिए

रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को NEET दोबारा देने की नौबत आई और CBSE की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्वत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है।

सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए

एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85 फीसदी ट्रांसलेशन का काम एनटीए से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले नीट यूजी री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं।

एनटीए बोला- नीट री-एग्जाम का पेपर लीक नहीं हुआ

नीट 2026 री-एग्जाम से पहले सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स पर पेपर लीक होने और सवाल पहले से मिलने के कई दावे किए जा रहे हैं। एनटीए ने इन सभी दावों को गलत और भ्रामक बताया है। एजेंसी का कहना है कि कुछ ठग गिरोह छात्रों और उनके परिवारों को गुमराह कर पैसे कमाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित पेपर और लीक से जुड़े मैसेज पूरी तरह फर्जी हैं।

बैठक से पहले ही इंडिया गठबंधन में रार

डीएमके-एएपी का बहिष्कार, बैठक से कर लिया किनारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में सीपीआई (एम) का प्रतिनिधित्व पार्टी के राज्यसभा नेता जॉन ब्रिटास करेंगे। हालांकि, केरल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगे आरोपों को लेकर पार्टी अभी भी कांग्रेस की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीपीआई (एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें केरल में सीपीआई (एम) और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझ होने का संकेत दिया गया था।

- सीपीआईएम ने खरगे से मांगा राहुल के बयान पर जवाब

गठबंधन की भावना के खिलाफ आरोप

लेटर की कॉपी इंडिया ब्लॉक के दूसरे हिस्सों के साथ भी शेयर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि ऐसे आरोप विपक्षी गठबंधन की सहयोग की भावना के खिलाफ हैं। लेफ्ट पार्टी ने कहा है कि वह इस मामले पर कांग्रेस से सफाई का इंतजार कर रही है। सीपीआई (एम) के सूत्रों ने कहा कि पार्टी को अभी तक कांग्रेस से कोई जवाब नहीं मिला है और उम्मीद है कि ब्रिटास मीटिंग में इस मुद्दे को उठाएंगे।

मुद्दे को लेकर दोनों दलों में विवाद

इस बातचीत में, बेबी ने चिंता जताई थी कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और खरगे समेत कांग्रेस नेताओं के आरोप चुनावी आलोचना से कहीं आगे थे, जिससे बीजेपी को मिलकर चुनौती देने के लिए बने गठबंधन के कामकाज पर सवाल खड़े हो गए। केरल विधानसभा चुनावों के बाद से ही यह मुद्दा दोनों पार्टियों के बीच विवाद का विषय रहा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। इस बैठक में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने और विपक्ष की एकजुटता को मजबूत करने की साझा रणनीति पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में शामिल होने वाले लोगों में टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राहुल गांधी और खड़गे शामिल हो सकते हैं।

तिलवाड़ा के पास नदी में गिरी केदारनाथ जा रहे यात्रियों की गाड़ी

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग में सुबह चारधाम यात्रियों की एक कार हादसे का शिकार हो गई। कार तिलवाड़ा में अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। कार में बंगाल के पांच यात्री सवार थे। एसडीआरएफ ने यात्रियों को खाई से निकाला। जानकारी के अनुसार, जिला कंट्रोल रूम सूचना मिली कि तिलवाड़ा पेट्रोल पंप के निकट एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 50 मीटर नीचे नदी किनारे पानी में जा गिरा है। सूचना मिलते ही चौकी तिलवाड़ा एवं कोतवाली अगस्त्यमुनि से पुलिस बल आवश्यक आपदा राहत उपकरणों के साथ तत्काल मौके पर पहुंचा। साथ ही एसडीआरएफ, डीडीआरएफ तथा 108 आपातकालीन सेवा को भी घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।दुर्घटनाग्रस्त वाहन महिंद्रा एक्सयूवी 700 (वाहन संख्या यूपी16–डीके0856) था, जिसमें कुल पांच यात्री सवार थे। सभी यात्री पश्चिम बंगाल से केदारनाथ धाम की यात्रा पर जा रहे थे। वाहन नदी किनारे पानी में फंस गया था, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे सभी पांचों यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिन्हें हाथ–पैर में फ्रैक्चर सहित अन्य चोटें आई हैं।

कालेश्वर में कार और टेम्पो ट्रैवलर की भिड़ंत, मची चीख पुकार

चमोली)। बदरीनाथ से लौट रही कार अचानक से अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे टेम्पो ट्रैवलर से टकरा गई। भिड़ंत के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और सभी लोगों को बाहर निकाला। बदरीनाथ हाईवे पर कालेश्वर में एक कार की टेम्पो ट्रैवलर से भिड़ंत हो गई। वाहनों की भिड़ंत से मौके पर हड़कंप मच गया। लेकिन गनीमत रही कि इस दौरान किसी को भी चोट नहीं लगी। जानकारी के अनुसार, बदरीनाथ से लौट रही कार अचानक से अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे टेम्पो ट्रैवलर से टकरा गई। भिड़ंत के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और सभी लोगों को बाहर निकाला। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची।

न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ एवं सुदृढ़ बनाने में "जूडिशियम 2.0" महत्वपूर्ण पहल : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यू. पी.ई.एस बिधौली में उत्तराखंड न्यायाधीश संघ के वार्षिक सम्मेलन "जूडिशियम 2.0 : इंक्लूज़न, एक्सेस एंड स्ट्रेंथनिंग" में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना सुशासन की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक त्वरित एवं निष्पक्ष न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन की थीम समावेशिता, न्याय तक आसान पहुंच तथा न्यायिक संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है, जो विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर एवं सम्मान मिलना चाहिए तथा न्याय तक पहुंच में भौगोलिक अथवा आर्थिक परिस्थितियां बाधक नहीं बननी चाहिए। विशेष रूप से उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि न्याय की सार्थकता उसकी निष्पक्षता और समयबद्धता में निहित है। न्याय में अनावश्यक विलंब से आमजन का विश्वास प्रभावित होता है, इसलिए न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाने की दिशा में सतत प्रयास किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ है, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ ही समाज में विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को भी सुदृढ़ करती है। उन्होंने कहा कि कानून के शासन की सफलता न्यायपालिका के प्रति जनता के विश्वास पर निर्भर करती है और माननीय न्यायाधीश इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक–सक्षम बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानूनों के साथ–साथ ई–कोर्ट्स, नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड, डिजिटल केस मैनेजमेंट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं ने न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाया है।

मुख्यमंत्री कहा कि राज्य सरकार भी न्यायालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल कोर्ट, ई–फाइलिंग और वर्चुअल सुनवाई जैसी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से वर्षों से लंबित मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान किया जा रहा है।

उक्रांद ने हक–स्वाभिमान के लिए भरी हुंकार, संगठन विस्तार पर जोर

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल के विधि प्रकोष्ठ ने संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को लेकर रविवार को बैठक की। कालाढूंगी रोड स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक में राज्य के मूल मुद्दों, आंदोलन की भावना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक नारायण सिंह जन्तवाल ने कहा कि उत्तराखंड लंबे संघर्ष और बलिदानों से बना है। आंदोलनकारियों के सपनों को साकार करने और प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होना जरूरी है। यूकेडी के केंद्रीय उपाध्यक्ष भुवन जोशी ने कहा कि जल, जंगल, जमीन पर पहला हक स्थानीय लोगों का है। पलायन, बेरोजगारी और ग्रामीण समस्याओं का हल स्थानीय सोच और मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व से ही निकलेगा। बार काउंसिल सदस्य राजन सिंह मेहरा ने कहा कि राज्य आंदोलन सम्मान, अधिकार और पहचान की लड़ाई थी। उन्होंने युवाओं से मूल मुद्दों को समझकर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता मोहन कांडपाल ने कहा कि आंदोलन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संगठन को बूथ स्तर तक ले जाना होगा। विधि प्रकोष्ठ जनहित, संवैधानिक अधिकारों और उत्तराखंड के हितों के लिए काम करता रहेगा। नैनीताल जिलाध्यक्ष प्रताप चौहान ने भी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बात कही। इस मौके पर नए सदस्यों को कृष्णानंद जोशी ने सदस्यता दिलाई। बैठक में शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि देकर स्वाभिमान, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य व ग्रामीण विकास के मुद्दे उठाने का संकल्प लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

7 जुलाई को जसपुर में होगा डीएम का तहसील दिवस

काशीपुर। डीएम ने अपने तहसील दिवसों का रोस्टर जारी कर दिया है। 07 जुलाई को डीएम की अध्यक्षता में जसपुर में तहसील दिवस होगा। बता दें कि तहसील स्तर पर माह के प्रथम एवं तीसरे मंगलवार को तहसील दिवस आयोजित किए जाते है। डीएम,जन समस्याओं के निस्तारण के लिए स्वयं ही इन तहसील दिवसों में उपस्थित रहने को पूरे जिले का रोस्टर जारी करते है। इस क्रम में 07 जुलाई को जसपुर में होने वाले तहसील दिवस की अध्यक्षता डीएम करेंगे। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे मंगलवार को उनकी अध्यक्षता में तहसील दिवस होता है।

कार से बरामद हुई बीयर की 15 पेटी

काशीपुर। आबकारी विभाग की टीम ने गढ़ीनेगी में एक कार से अवैध 15 पेटी बीयर बरामद की। परिवहन कर रही कार के मालिक का जीजा चुनाव लड़ रहा है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शनिवार की शाम किसी व्यक्ति ने आबकारी विभाग को सूचना दी की गढ़ीनेगी में स्थित एक घर के अंदर कार में अवैध रूप से बीयर की पेटियां रखी हैं। इसके बाद आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। जहां पर उन्होंने एक कार से 15 पेटी अवैध बीयर की बरामद की। इसके बाद आबकारी विभाग ने अज्ञात के खिलाफ 60 एक्साइज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आबकारी इंस्पेक्टर दिवाकर चौधरी ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उसकी तलाश की जा रही है। कार का मालिक गढ़ीनेगी में चुनाव लड़ रहे एक प्रत्याशी की पत्नी का भाई है। बीयर किस उद्देश्य से लाई गई थी। इसकी जांच की जा रही है।

प्लाट देखने गए युवक को बंधक बनाकर पीटा, केस दर्ज

देहरादून। पटेलनगर थाना क्षेत्र के मेहूंवाला में एक प्लॉट देखने गए युवक को बंधक बनाकर मारपीट की गई। दून एन्क्लेव निवासी रितेश तिवारी ने पुलिस को तहरीर दी। कहा कि वह बीते दो जून को मेहूंवाला–तुंतोवाला मार्ग पर एक प्लॉट देखने गए थे। जब प्लॉट मालिक उदय सिंह उन्हें जमीन दिखा रहे थे तभी कुछ लोग वहां पहुंचे और प्लॉट पर अपना हक जताने लगे। वे लोग कागजात दिखाने के बहाने रितेश को मेहूंवाला के पूर्व प्रधान इरशाद अली के कार्यालय ले गए। आरोप है कि कार्यालय में पहले से मौजूद 10–12 लोगों ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और धमकी दी कि अगर वह यहां से नहीं गया तो उसे यहीं मारकर गाड़ देंगे। जब रितेश ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने टेबल का शीशा उठाकर उसके सिर पर दे मारा और जमकर मारपीट की।

फर्जी पत्नी खड़ी कर बैंक से निकाल लिए 20 लाख के गहने

देहरादून। एक पति ने बैंक मैनेजर के साथ साठगांठ कर और एक फर्जी महिला को अपनी पत्नी बताकर बैंक लॉकर (गोल्ड लोन) से करीब 20 लाख रुपये के सोने के आभूषण निकाल लिए। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देश पर कैंट कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति और अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कैंट एसएस बिष्ट ने बताया कि मूल रूप से लखनऊके चिनहट निवासी खुशबू देवी का विवाह वर्ष 2009 में बल्लूपुर देहरादून निवासी प्रवीन कुमार के साथ हुआ था। खुशबू का आरोप है कि करीब छह महीने पहले उसके पति ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया था। जिसके बाद पीड़िता ने पति पर दहेज उत्पीड़न का केस भी दर्ज कराया था। खुशबू का एसबीआई ओएनजीसी तेल भवन शाखा में एक गोल्ड लोन खाता था। जिसमें उनके करीब 20 लाख रुपये के आभूषण जमा थे। इस लोन की मासिक किश्त खुशबू के ही बैंक खाते से कटती थी। बीती नौ फरवरी को खुशबू मोबाइल पर बैंक से लोन चुकता होने और गहने दिए जाने का मैसेज आया। उन्होंने बैंक मैनेजर से संपर्क किया। मैनेजर ने बताया कि आभूषण निकालते समय प्रवीन के साथ कोई महिला आई थी।

मैडाथॉन से युवाओं ने दिया नदियों को बचाने का संदेश

देहरादून। युवाओं की सामाजिक संस्था 'मेकिंग अ डिफरेंस बाई बीइंग द डिफरेंस' (मैड) ने दून घाटी में अपने सफल 15 वर्ष पूरे होने पर रविवार पर 'मैडाथॉन–2026' का आयोजन किया। परेड ग्राउंड से शुरू हुई इस मैडाथॉन में युवाओं ने खूब उत्साह दिखाया और दौड़ लगाकर रिस्पना–बिंदाल आदि नदियों को बचाने का संदेश दिया। इस दौड़ की सबसे बड़ी खूबी इसका पूरी तरह प्लास्टिक–मुक्त और जीरो–वेस्ट होना था। दौड़ में सिंगल–यूज प्लास्टिक को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया था। धावकों को पानी देने के लिए प्लास्टिक की बोतलों या डिस्पोजेबल कप के बजाय स्टील के गिलासों का उपयोग किया गया।

पूरे रूट पर जहरीले प्लास्टिक फ्लैक्स बैनरों की जगह युवाओं की ओर से हाथ से पेंट किए गए कपड़े के बैनर लगाए गए और आयोजन स्थल को भी अपसाइकिल कचरे से सजाया गया था। नदियों को बचाने के लिए आयोजित मैडाथॉन में फाउंडेशन, तारा फाउंडेशन, द टॉन्सब्रिज स्कूल, एलिमेंट्स एज क्लासेज, सुविधा सुपरमार्केट, एलोराज, सोनी ऑप्टिकल्स, दिल से चॉकलेट, मास्क व देहरा प्रोडक्शन जैसे शैक्षणिक और व्यावसायिक संस्थानों का भी सहयोग रहा।

घरेलू गैस सिलेंडर 29 रुपये महंगा होने से महिलाएं परेशान

हरिद्वार। घरेलू एलपीजी सिलेंडर फिर महंगा हो गया है। रविवार से नई दरें लागू हो गईं। बढ़ी कीमतों से आम परिवारों और महिलाओं की रसोई का बजट प्रभावित हुआ है। पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार से घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम 29 रुपये बढ़ा दिए हैं। इसके बाद हरिद्वार शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों पर 932 रुपये में मिलने वाला सिलेंडर अब 961 रुपये में उपलब्ध हो रहा है। इस साल दूसरी बार कीमत बढ़ने से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ गया है। रविवार को धर्मनगरी में घरेलू गैस सिलेंडर की नई दरें लागू हो गई। बता दें कि साल 2024 घरेलू गैस सिलेंडर के दाम सरकार ने घटाए थे। तब सिलेंडर के दाम 822 रुपये हो गए। साल 2025 में सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ाएं गए है। तब सिलेंडर 872 का मिल रहा था। 2025 के बाद 2026 में दो दफा सिलेंडर के दामों में इजाफा हुआ है। दो दफा में सरकार ने कुल 89 रुपयों की बढ़ोतरी करी है। वहीं गैस सिलेंडर के बढ़े दामों में महिलाओं की परेशानी बढ़ी है। दामों में बढ़ोतरी के बाद महिलाओं को अपना घरेलू बजट दोबारा बनाना पड़ रहा है। गृहणी पूजा चौहान, गीता देवी, वंदना गुप्ता, सारिका, आएशा परवीन, शमा परवीन का कहना है कि पहले से लोग महंगाई के बोझ तले दबे हुए है।

36 घंटे में सुलझाई 10 लाख की चोरी, हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

देहरादून। नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित एमडीडीए केदारपुरम में हुई लाखों की चोरी का दून पुलिस ने 36 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई शत–प्रतिशत ज्वेलरी बरामद की है। बरामद सोने–चांदी के आभूषणों की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। एसओ नेहरू कॉलोनी मनोज नौटियाल ने बताया कि बीते पांच जून को केदारपुरम निवासी रेनू ने घर का ताला तोड़कर आभूषण और नकदी चोरी होने की तहरीर दी थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। शनिवार शाम को डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र से आरोपी तैय्यब (27) निवासी कोटला नवादा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मजदूरी का काम करने वाले आरोपी ने बताया कि कुछ दिन पहले भी उसने एक मकान में चोरी का प्रयास किया था। आरोपी तैय्यब नेहरू कॉलोनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

हटाने के दो दिन बाद फिर सज गया अतिक्रमण, निगम का अभियान बेअसर

हरिद्वार। नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान दो दिन भी असर नहीं दिखा सका। खाली कराई गई जगहों पर फिर दुकानें और ठेलियां लग गईं। लोगों ने निगम की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। नगर निगम द्वारा वाल्मीकि चौक से देवपुरा चौक तक चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान दो दिन बाद ही बेअसर नजर आने लगा। रविवार को सड़क किनारे और नालों के ऊपर फिर अस्थायी दुकानें और ठेलियां लग गईं, जिससे निगम की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं। दो दिन पहले संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया था और कई ठेलियां व सामान जब्त कर दोबारा कब्जा न करने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद क्षेत्र में फिर से अतिक्रमण हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है। करीब एक माह पहले भी ऐसा ही अभियान चला था, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर अतिक्रमण लौट आया। क्षेत्रवासियों ने नियमित निगरानी और स्थायी समाधान की मांग की है।

आज से मतदाताओं को बीएलओ घर–घर बांटेंगे गणना फार्म

देहरादून। उत्तराखण्ड में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार से प्रदेश के सभी मतदाताओं को गणना फार्म बांटने का कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने प्रदेश के समस्त मतदाताओं से बूथ लेवल एजेंट्स को सहयोग करने की अपील की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के सभी 11733 बीएलओ के पास गणना फार्म पंहुचा दिए गए हैं। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मतदाताओं को गणना फार्म उपलब्ध कराए जाएंगे। आगामी 7 जुलाई तक एक माह के समय में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना फार्मों को बीएलओ एप्प के माध्यम से डिजिटिलाइज किया जाएगा।

मतदाता "बुक ए कॉल" फीचर का लें सकते हैं लाभ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने बताया कि प्रदेश के मतदाता नौकरी या अन्य पेशे से जुड़े होने के कारण दिन में घर पर उपलब्ध नहीं हैं तो वे "बुक ए कॉल विद बीएलओ " के फीचर से एक क्लिक पर अपने बीएलओ के साथ कॉल बुक करा सकते हैं। इसके लिए मतदाता वेबसाइट पर विजिट करके या एउक–ठी३ मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर अपनी कॉल बुक करा सकते हैं। कॉल बुक कराने के बाद दो दिन के भीतर बीएलओ द्वारा मतदाता से स्वयं संपर्क किया जाएगा। इसके अलावा बीएलओ के क्षेत्र भ्रमण के दौरान कोई मतदाता घर पर नहीं मिलता है तो ऐसी स्थिति में बीएलओ तीन बार घर पर विजिट करेंगे और बीएलओ घर पर स्टीकर लगाकर अपने अगले विजिट की डेट और मोबाइल नंबर लिखेंगे, मतदाताओं द्वारा बीएलओ से संपर्क कर सुविधानुसार गणना फार्म भरा जा सकता है।

मतदाता एक पासपोर्ट फोटो रखें तैयारः

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के मतदाताओं से अपना नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो गणना फार्म के साथ बीएलओ को उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 8 जून से 7 जुलाई के बीच घर–घर भ्रमण के दौरान गणना फार्म के साथ मतदाताओं से कोई भी दस्तावेज नही देने होंगे।

उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन किया जाएगा इसके साथ ही 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 के बीच दावे एवं आपत्तियों को दर्ज करने का समय दिया गया है। इसी बीच 14 जुलाई से 11 सितंबर 2026 तक सभी नोटिस जारी कर दावे–आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार 15 सितंबर 2026 अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदण्डे ने बताया कि उन्होंने बताया कि मतदाता स्वयं भी ईसीआई नेट ऐप के माध्यम से अपना गणना फार्म ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं इसके बाद मतदाता इसे भरकर अपलोड कर सकते हैं।

इस प्रक्रिया के दौरान अपर कोई भी पात्र व्यक्ति, मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाना चाहते हैं तो वे अपने बीएलओ से संपर्क कर फार्म 6 भर सकते हैं। जिसके बाद दावे आपत्तियों के निस्तारण के समय उनके फार्मों पर विचार किया जाएगा।

तीन मंदिरों में हुई चोरियों का खुलासा, कबाड़ी समेत दो गिरफ्तार

काशीपुर। नगर में एक ही सप्ताह के भीतर तीन मंदिरों में हुई चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी और चोरी का सामान खरीदने वाले एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से मंदिरों से चोरी किया गया सामान तथा 15,4200 रुपये की नकदी बरामद की है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार 26 मई को रामनगर रोड स्थित नागन शक्ति मंदिर तथा 31 मई की अर्द्धरात्रि में गंगे बाबा मंदिर और नागनाथ मंदिर में चोरी की घटनाएं हुई थीं। रविवार को सीओ प्रशांत कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सर्विलांस और मैनुअल पुलिसिंग के आधार पर नौगजा कब्रिस्तान स्थित पुलिया के पास से रेलवे लाइन पड़ाव, रामनगर निवासी तालिब हुसैन पुत्र इरफान अली को एक बाइक सहित गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में तालिब ने बताया कि उसने अपने साथी सन्नी पुत्र गोविंद सिंह और मोईन निवासी पूछड़ी, रामनगर के साथ मिलकर चोरियों को अंजाम दिया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने कुमाऊं कॉलोनी, कचनालगाजी स्थित कबाड़ी जलीस अहमद की दुकान पर छापा मारकर चोरी का सामान बरामद किया और उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

न्यूरो और फिजियोथेरेपी शिविर में लोगों ने कराई जांच

देहरादून। अद्वैथ एबिलिटी की ओर से न्यूरो और फिजियोथेरेपी शिविर में लोगों ने नसों, हड्डियों और जोड़ों के दर्द समेत अन्य बीमारियों की जांच कराई।रविवार को देहराखास स्थित सुरकंडा माता मंदिर में शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि वार्ड 72 देहराखास के पार्षद आलोक कुमार ने किया। शिविर में लोगों को परीक्षण के साथ चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। शिविर में प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ. गौरव शर्मा और डॉ. दिव्या ने आधुनिक फिजियोथेरेपी व रोबोटिक न्यूरोरिहैब तकनीकों के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर कुलदीप शर्मा, निशांत जैन, राकेश राठौर, राजीव शर्मा, महेश चंदोला, डॉ. गुरु प्रसाद, प्रीति श्रीवास्तव और संतोष शर्मा उपस्थित रहे।

पालीटेक्निक विवाद में सोमवार को कॉलेज में सुबूत खंगालेगी पुलिस

देहरादून। पित्थूवाला स्थित उत्तराखंड राजकीय पॉलीटेक्निक में परीक्षा के दौरान नकल के आरोप और उसके बाद हुए बवाल में सोमवार को पुलिस ने संस्थान पहुंचकर जांच करेगी। संस्थान प्रशासन और पुलिस विभाग में कार्यरत छात्र के दरोगा पिता की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस का पूरा फोकस अब घटना के जमीनी साक्ष्यों और चश्मदीदों के बयानों पर टिक गया है।

सीओ सदर अंकित कंडारी ने कहा कि पुलिस पूरी तरह से तथ्यों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई करेगी। रविवार को अवकाश के चलते कॉलेज बंद था। इसलिए पुलिस टीम सोमवार को संस्थान के खुलने पर सीधे मौके पर पहुंचेगी। पुलिस सबसे पहले परीक्षा नियंत्रण कक्ष, सीढ़ियों और कक्ष संख्या ए–203 के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेगी। दोनों ही पक्षों ने अपनी–अपनी तहरीर में सीसीटीवी फुटेज का हवाला दिया है जो इस मामले में सबसे अहम सुबूत साबित होगा। छात्रों और शिक्षकों से होगी पूछताछः विवाद की जड़ चार जून को हुई इंजीनियरिंग ड्राइंग की बैक पेपर परीक्षा है। पुलिस विवाद में शामिल छात्र कबीर कंडवाल के साथ उस समय परीक्षा दे रहे अन्य छात्रों को भी तलब करेगी।

मेहूंवाला में 182 छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को नवाजा

देहरादून। मेहूंवाला के नया नगर में उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहारों के लिए रविवार को मेधावी छात्र–छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता मुरसलीम अली मुरली की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज मेहूंवाला, दून सिटी मॉन्टेन्सरी स्कूल, आजाद एजुकेशनल एकेडमी और न्यू दून वैली पब्लिक स्कूल मेहूंवाला के 182 छात्र–छात्राओं एवं उनके शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बलबीर सिंह पंवार, अन्नू पुशोला, इकरा व कृष्ण कांत, अब्दुर रहमान, जाकिर अंसारी व सोहेल राव आदि शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

वेयर हाउस अग्निकांड की न्यायिक जांच और दोषियों पर मुकदमा होः माले

हल्द्वानी। भाकपा माले ने अमेजन के गोदाम में आग लगने की घटना की न्यायिक जांच करने और दोषियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। रविवार को संयुक्त दल ने गोदाम का स्थलीय निरीक्षण किया और सुरक्षा मानकों की घोर लापरवाही पाई। वहां फायर एग्जिट, फायर अलार्म, एग्जोस्ट फैन या अग्निशमन विभाग की फायर एनओसी तक नहीं थी। बंद गोदाम में बिना किसी गार्ड रूम के मजदूरों को माल के बीच छोड़ दिया गया था। दल ने इसे शुद्ध मुनाफे के लिए मजदूरों की जान से खिलवाड़ बताया। दल ने सभी गोदामों में अग्नि सुरक्षा उपायों की तत्काल जांच सुनिश्चित करने की मांग की। दोनों मृतकों के परिवारों को एक–एक करोड़ रूपये मुआवजा देने और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

रसोई गैस के दाम बढ़ने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

देहरादून। केंद्र सरकार द्वारा रसोई गैस सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ाए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक राजकुमार एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने कहा कि साल 2014 के मुकाबले 2026 में रसोई गैस सिलेंडर के दाम 150 प्रतिशत, डीजल 75 प्रतिशत, पेट्रोल 45 प्रतिशत, सरसों का तेल 125 प्रतिशत, आटा 81 प्रतिशत और दूध के दाम 80 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। सरकार महंगाई नियंत्रित करने के बजाय जनता पर टैक्स का बोझ डाल रही है। कहा कि कुछ दिन पहले तक चुनावों के चलते तेल और गैस के दाम स्थिर रखे गए थे, लेकिन पिछले एक महीने से लगातार दाम बढ़ाकर हर परिवार का बजट बिगाड़ दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सिंचाई टैंकों की मरम्मत के लिए जिला योजना से मिली धनराशि

नई टिहरी। कृषि एवं भूमि संरक्षण विभाग 15.94 लाख रुपये की लागत से भिलंगना और जाखणीधार ब्लॉक में तीन सिंचाई टैंकों की मरम्मत और एक नया टैंक बनाएगा जिससे काश्तकारों को जल्द ही सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। जिला योजना से धनराशि मिलने पर विभाग ने जीणोद्धार कार्य करने की तैयारी शुरू कर दी है। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत खांड, क्वांली और भिलंगना ब्लॉक के ग्राम क्वीडांग और हडियाणा मल्ला के काश्तकार वर्षों से क्षतिग्रस्त सिंचाई टैंक की मरम्मत करने की मांग कर रहे थे लेकिन बजट की समस्या के कारण टैंकों की स्थिति जस की तस बनी थी जिससे गर्मियों में पानी कम होने पर ग्रामीणों के सामने फसल की सिंचाई करना मुश्किल हो रहा था। हडियाणा मल्ला में सड़क निर्माण के दौरान टैंक क्षतिग्रस्त होने से भी काश्तकार परेशान थे। काश्तकारों की ओर से लगातार मांग करने पर जिला योजना में टैंक जीणोद्धार के लिए 11.36 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं जबकि हडियाणा तल्ला के लिए पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से 4.68 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। धनराशि मिलने के बाद विभाग ने भी टैंकों का मरम्मत कार्य और हडियाणा में नया टैंक बनाने की कवायद शुरू कर दी है। टैंकों की मरम्मत होने के बाद चारों गांवों में करीब 600 नाली कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। जाखणीधार और भिलंगना में दो–दो सिंचाई टैंक का जीणोद्धार करने के लिए जिला योजना और पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से धनराशि मिल गई है। निविदा प्रक्रिया संपन्न होने के बाद कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। – पवन कुमार काला, कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी टिहरी ।

देवलसारी—नागटिब्बा को जोड़ने वाली दुडगापुल—बंगशील सड़क खस्ताहाल

नई टिहरी। देवलसारी और नाग टिब्बा को जोड़ने वाला दुडगा पुल–बंगशील सड़क खस्ताहाल बनी है। सड़क से क्षेत्र के लोगों के साथ पर्यटकों को आवागमन में भारी परेशानियां झेलनी पड़ती है। सड़क पर बिखरा मलबा और पत्थर लोगों के जोखिम बना है। जौनपुर क्षेत्र में गत चार दिनों से हो रही भारी बारिश से देवलसारी–नागटिब्बा को जोड़ने वाले बंगशील सड़क पर भारी मलबे के साथ पत्थर आने से आवाजाही करना जोखिम भरी बना है। स्थानीय निवासी सुनील थपलियाल, मनवीर परमार, राजेंद्र राणा, शेर सिंह डोगरा आदि का कहना कि दुडगा पुल– बंगशील एक किलोमीटर सड़क के सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य एक वर्ष पूर्व स्वीकृत मिल चुकी थी। गर्मियों के सीजन में नागटिब्बा और देवलसारी में पर्यटकों का आवागमन लगा रहता है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे होने से सड़क पर भारी मलबा और पत्थर आने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने लोनिवि से सड़क पर आया मलबा हटाने और सड़क सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य शीघ्र पूरा करने की मांग की है। वहीं सड़क सुधारीकरण कार्य कर रहे विजेंद्र पंवार का कहना कि क्षेत्र में अधिक बारिश होने के कारण सड़क मरम्मत के कार्य में दिक्कतें आ रही है। अधिशासी अभियंता राजेंद्र टम्टा का कहना कि संबंधित ठेकेदार को नोटिस भेज दिया है जल्द सड़क के कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

हर सोमवार होगा जनता मिलन, डीएम सुनेंगे जनसमस्याएं

चमोली। जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिला प्रशासन ने प्रत्येक सोमवार को जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान की समीक्षा करेंगे। जनता मिलन कार्यक्रम सोमवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक जिला कार्यालय सभागार, गोपेश्वर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी जबकि तहसील और ब्लॉक स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन–1905 में दर्ज शिकायतों एवं मुख्यमंत्री घोषणाओं से जुड़े मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी।

शुभम शाह बने राज्य कर अधिकारी

चमोली। उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा–2024 (अपर पीसीएस) में चमोली जिले के शुभम शाह का चयन वित्त विभाग में राज्य कर अधिकारी के पद पर हुआ है। उनके पिता हरीश शाह वर्तमान में टिहरी डेम वन प्रभाग (द्वितीय) उत्तरकाशी में वन क्षेत्राधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। शुभम ने हाईस्कूल मसीह दिलासा स्कूल तथा इंटरमीडिएट केंद्रीय विद्यालय उत्तरकाशी से उत्तीर्ण किया। इसके बाद उन्होंने आईआईटी भिलाई से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री प्राप्त की। शुभम ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता दिया। उनकी इस उपलब्धि पर विकास शील जनजाति युवा संस्था के अध्यक्ष सारस्वत हिंदवाल ने बधाई दी।

टीईटी की बाध्यता समाप्त करने की मांग

चमोली। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संगठन ने टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग की और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को ज्ञापन दिया। संगठन के जिलाध्यक्ष दिगंबर सिंह नेगी ने बताया कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत वर्ष 2009 के प्रभावी होने से पूर्व राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की ओर से लाखों शिक्षकों की निर्धारित शैक्षणिक अर्हता के तहत नियुक्ति की थी लेकिन वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के आदेश से शिक्षक आहत हैं। उन्होंने टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त किए जाने की मांग की। ज्ञापन में हरिद्वार के जिला मंत्री हेमेंद्र चौहान, भगवानपुर के ब्लॉक अध्यक्ष अजय चमोली, चंपावत के उमेश जोशी, रकम सिंह आदि के हस्ताक्षर हैं।

वार्ड सदस्यों के सात पदों पर कल होगा मतदान

नई टिहरी। नगर पालिका का चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर दी गई है। मतदान कर्मियों को आज अंतिम चरण का प्रशिक्षण देने के बाद उन्हें मतदान सामग्री वितरित कर मतदेय स्थल पर भेजा जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष निर्विरोध चुने जाने के बाद कल नौ जून को सात वार्ड सदस्यों के लिए 15 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम नितिका खंडेलवाल ने सभी रिटर्निंग अधिकारी और संबंधित नोडल अधिकारियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने–अपने दायित्व का निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। पालिकाध्यक्ष पद पर एक नामांकन पत्र निरस्त होने के बाद अध्यक्ष निर्विरोध बनना तय है। पालिका क्षेत्र में सात वार्डों पर 15 उम्मीदवारों के बीच फैसला होना है। इसके लिए कल नौ जून को सुबह आठ से शाम पांच बजे तक मतदान कराया जाएगा।

झंडाचौक में हुड़दंग मचाने वाले तीन युवक गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि पांच जून की रात झंडाचौक क्षेत्र में तीन युवक आपस में मारपीट और हंगामा कर रहे थे। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और युवकों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान काशीरामपुर निवासी मयंक,

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः झंडाचौक चौराहे पर दो दिन पूर्व देर रात हुड़दंग और मारपीट करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों की पहचान की।

आदित्य और सागर के रूप में हुई है। आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है।

चंद्रशिला ट्रैक पर दोपहर बाद न जाने की सलाह

रुद्रप्रयाग। चंद्रशिला ट्रैक पर बढ़ते मौसम संबंधी जोखिम को देखते हुए पुलिस ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बिजली गिरने और मौसम अचानक बदलने के खतरों को देखते हुए पुलिस ने दोपहर एक बजे के बाद पर्यटकों व श्रद्धालुओं को चंद्रशिला ट्रैक पर न जाने की सलाह दी है।तुंगनाथ क्षेत्र में सुरक्षा को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक ऊखीमठ मनोज नेगी ने तुंगनाथ और चंद्रशिला ट्रैक का निरीक्षण किया। इसके बाद चोपता घोड़ा स्टैंड, तुंगनाथ मंदिर परिसर और चंद्रशिला ट्रैक पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए और बोर्ड पर खराब मौसम, भारी वर्षा और घने कोहरे के दौरान आगे नहीं बढ़ने की सलाह दी गई। प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने बताया कि तुंगनाथ मंदिर परिसर में लाउडस्पीकर के माध्यम से भी लगातार यात्रियों को मौसम और सुरक्षा संबंधी जानकारी दी जा रही है। साथ ही ट्रैक पर तैनात पुलिस कर्मियों को यात्रियों की सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं और पर्यटकों से मौसम की स्थिति की जानकारी लेकर ही यात्रा करने और प्रशासन की ओर से जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की।

एलयूसीसी पीड़ितों ने उठाई न्याय की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। द लोनी अरबन मल्टी स्टेट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) में जमा धनराशि वापस न मिलने से पीड़ित निवेशकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पीड़ितों का कहना है कि वे पिछले 336 दिनों से तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। धरनास्थल पर मौजूद पीड़ितों ने कहा कि कंपनी के संचालकों ने धनराशि दोगुनी करने का लालच देकर लोगों को निवेश के लिए प्रेरित किया था। बेहतर भविष्य की उम्मीद में लोगों ने अपनी जीवनभर की जमा–पूंजी कंपनी में निवेश कर दी, लेकिन भुगतान का समय आने पर कंपनी के मुख्य संचालक कार्यालयों में ताला लगाकर फरार हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि इस मामले में हजारों निवेशकों के करोड़ों रुपये फंस गए हैं। अपनी जमा पूंजी वापस पाने के लिए वे लगातार धरना-प्रदर्शन के माध्यम से शासन–प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आया है। इससे प्रभावित परिवारों की आर्थिक और मानसिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। पीड़ितों ने सरकार से मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने और निवेशकों की धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। इस अवसर पर सुनीता रावत, सुनीता सजवान, बबीता रावत, सरोज गौड़, हरेंद्र रावत, राजेंद्र भंडारी, संदीप सिंह रावत, प्रेम सिंह नेगी और बिजेंद्र रावत सहित कई पीड़ित मौजूद रहे।

13 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षक आज करेंगे देहरादून कूच

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ की 13 सूत्रीय मांगों के समर्थन में जनपद पौड़ी के शिक्षक आठ जून को देहरादून कूच करेंगे। संघ ने स्पष्ट किया है कि शिक्षकों की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मांगों के समाधान तक आंदोलन जारी रहेगा।

संघ पदाधिकारियों के अनुसार विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलन चलाया जा रहा है। प्रमुख मांगों में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता से छूट प्रदान करना शामिल है। इसके साथ ही शिक्षकों के सेवा संबंधी मामलों, पदोन्नति और अन्य लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की भी मांग की जा रही है। संघ ने बताया कि आंदोलन के पांचवें चरण के तहत आठ जून को देहरादून में एक विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली के माध्यम से शिक्षक अपनी मांगों को सरकार तक मजबूती से पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

प्रांतीय उपाध्यक्ष दीवान सिंह रावत, जिला अध्यक्ष भगत सिंह भंडारी और जिला मंत्री भोपाल सिंह रावत ने जनपद के सभी शिक्षकों से रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की लंबित मांगों के समाधान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना आवश्यक है।

विश्व साइकिल दिवस पर निकली जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर खेलो इंडिया सेंटर एवं खेल विभाग की ओर से साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से युवाओं और स्कूली बच्चों ने आमजन को पर्यावरण संरक्षण तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

राजकीय स्टेडियम से निकाली गई रैली को स्टेडियम इंचार्ज श्याम सिंह डांगी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्टेडियम से शुरू होकर श्री सिद्धबली मंदिर तक पहुंची और वहां से वापस स्टेडियम में संपन्न हुई।

इस अवसर पर श्याम सिंह डांगी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। ऐसे में पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग को कम कर साइकिल को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देना है। रैली में शामिल युवाओं और विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान साइकिल चलाने के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस मौके पर शिवा चौधरी, शुभम रावत, सिद्धार्थ रावत सहित अन्य खिलाड़ी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

आयोजित रैली में भाग लेते विद्यार्थी

गांव को आबाद करने व समग्र विकास के लिए हुई चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ग्राम सभा झटरी डाडामंडी में आयोजित तीन दिवसीय पारिवारिक मिलन समारोह का रविवार को सफल समापन हो गया। समारोह में प्रवासी और अप्रवासी ग्रामीणों के साथ स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस दौरान रिवर्स माइग्रेशन और गांवों के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. द्वारिका प्रसाद बलोदी ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों से लगातार हो रहा पलायन गंभीर चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए युवाओं को रिवर्स माइग्रेशन की दिशा में आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि गांवों में कृषि, बागवानी, पशुपालन, पर्यटन और स्थानीय उत्पादों पर आधारित स्वरोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी शिक्षा, कौशल और अनुभव का उपयोग गांवों के विकास में करें। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और गांव आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि रिवर्स माइग्रेशन का उद्देश्य केवल लोगों को गांवों में वापस लाना नहीं है, बल्कि गांवों को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता

समारोह के दौरान गांव के शिवालय मंदिर में सामूहिक पूजा-अर्चना तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं मां भगवती आकाशपुरी देवी मंदिर में भी विशेष पूजा–अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने गांव के विकास और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया।

लैंसडाउन की छात्रा परिधि गुसाईं ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन की कक्षा 10 की छात्रा परिधि गुसाईं ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि से विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है। परिधि ने नेशनल ओलंपियाड 2025-26 में अंग्रेज़ी विषय एवं तार्किक क्षमता (रीजनिंग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर द्वितीय तथा जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय सफलता के उपलक्ष्य में कोटद्वार में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि ऋतु खंडूरी भूषण ने परिधि गुसाईं को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान-पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हजारों प्रतिभागियों के बीच राज्य एवं जिला स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करना अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने परिधि, उसके अभिभावकों तथा विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंदरियाल ने विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ की ओर से परिधि को इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि वह एक अनुशासित, प्रतिभाशाली एवं दृढ़संकल्पित छात्रा है। उन्होंने बताया कि परिधि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विभिन्न सह- पाठयक्रम गतिविधियों में भी भागीदारी निभाती है। उन्होंने कहा कि परिधि की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। विद्यालय परिवार ने परिधि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

बोर्ड बैठकों में देरी पर उत्तराखंड विकास पार्टी नाराज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम में नियमित रूप से बोर्ड बैठकें आयोजित न किए जाने को लेकर उत्तराखंड विकास पार्टी ने कड़ी नाराजगी जताई है। पार्टी का आरोप है कि निगम प्रशासन की लापरवाही के कारण वार्डों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष मुजीब नैथानी ने कहा कि नियमानुसार प्रत्येक दो माह में एक बोर्ड बैठक आयोजित किया जाना अनिवार्य है, लेकिन कोटद्वार नगर निगम इस व्यवस्था का पालन करने में विफल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान केवल तीन बोर्ड बैठकें ही आयोजित की गई हैं, जिससे विभिन्न वार्डों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों और विकास योजनाओं पर चर्चा नहीं हो पा रही है। नैथानी ने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा कई बार मेयर को बोर्ड बैठक बुलाने की आवश्यकता से अवगत कराया गया, इसके बावजूद बैठकों का आयोजन नहीं किया गया। उनका कहना है कि बोर्ड की स्वीकृति के बिना कई कार्यों को अधिकारियों द्वारा अपने स्तर पर मंजूरी दी जा रही है, जो नियमों के विपरीत होने के साथ–साथ भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला कदम है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से नियमित बोर्ड बैठकें आयोजित करने और विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

मांगें पूरी न होने पर हड़ताल की चेतावनी

रुद्रप्रयाग। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ से जुड़े कर्मचारियों ने मांगों के संबंध में नगर पालिका प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांगों पर 13 जून तक कार्रवाई न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी। उन्होंने वर्ष 2018 तक 10 वर्ष सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों का नियमितीकरण करने, दैनिक पर्यावरण मित्रों का मानदेय 500 रुपये प्रतिदिन करने, सभी कर्मचारियों के लिए 25 लाख रुपये की बीमा योजना लागू करने, मोहल्ला स्वच्छता समितियों का लंबित वेतन जारी करने और ईपीएफ कटौती की मांग है। उन्होंने न्यूनतम 1065 रुपये प्रतिदिन वेतन की मांग भी की। ज्ञापन देने वालों में मुख्य सलाहकार आनंद सिंह गोडियाल, अध्यक्ष मनीष गोडियाल, कोषाध्यक्ष खजान सिंह, प्रचार मंत्री अरुण कुमार आदि शामिल रहे।

मंत्री सुबोध उनियाल ने किया सीएचसी ज्योतिर्मठ का निरीक्षण

चमोली। प्रदेश के वन, निर्वाचन, विधायी एवं संसदीय कार्य तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने अपने सीमान्त जनपद चमोली प्रवास के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ज्योतिर्मठ (जोशीमठ) का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री उनियाल ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, दवा उपलब्धता, आपातकालीन सेवाओं तथा मरीजों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से भी संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया।स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

कौथिग में उमड़ा जनसैलाब, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः कल्जीखाल ब्लॉक अंतर्गत असवालस्यूं पट्टी स्थित मुंडनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय प्रसिद्ध खैरालिंग कौथिग मेला रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हो गया। मेले में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ बड़ी संख्या में प्रवासी ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भी भागीदारी कर अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का परिचय दिया।

मेले के दौरान मुंडनेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित भजन संध्या विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मंदिर समिति द्वारा इस वर्ष स्थानीय उभरते हुए युवा कलाकारों को मंच प्रदान किया गया, जिन्होंने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समूचे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और नृत्य करते नजर आए। श्रद्धालुओं का उत्साह इतना अधिक था कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए समिति को विशेष प्रयास करने पड़े। न्यायरघाटी म्यूजिकल ग्रुप की सांस्कृतिक टीम के लोकगायक मनीष पंवार, दीपक चौहान, प्रीति कोली, जगमोहन रावत चौंडकोटिया और जितेंद्र जैरवाण ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। संगीत संयोजन दीपक चौहान, विजेंद्र रावत और संतोष मंद्रवाल ने किया। मेले के दूसरे दिन जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने मंदिर समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खैरालिंग महादेव की कृपा से उन्हें जनता की सेवा का अवसर मिला है। उन्होंने देश-प्रदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए युवाओं से ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग देने की अपील की। आरती नेगी ने मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों के लिए जिला पंचायत से पांच लाख रुपये तक की सहायता देने की घोषणा भी की।

आयोजित मेले में उमड़ी लोगों की भीड़

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य पूनम नेगी, पूर्व निदेश-क डीसीबी कोटद्वार नरेंद्र सिंह नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद धनोसी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य नीलम डबराल, मंदिर समिति अध्यक्ष अनिल नेगी, सचिव विवेक नेगी, कोषाध्यक्ष नरेश उनियाल, उपाध्यक्ष जसपाल नेगी, दिनेश असवाल, दिनेश चंदोला, पुजारी मुकेश भारद्वाज सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय डबराल 'मिंटू' ने किया। इस वर्ष मेले में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ देखने को मिली। कल्जीखाल बाजार से मंदिर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और श्रद्धालुओं को घंटों जाम का सामना करना पड़ा। जाम की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पौड़ी विधायक के मेले में पहुंचने की सूचना के बीच उनका वाहन भी लंबे समय तक यातायात में फंसा रहा। धार्मिक आस्था, लोकसंस्कृति और जनसहभागिता का अनूठा संगम बना खैरालिंग कौथिग मेला इस बार भी क्षेत्रवासियों के लिए यादगार साबित हुआ।

संपादकीय

नकल रोकना भी गुनाह

"चोरी और सीना जोरी" इसका सही मतलब शायद उत्तराखंड पुलिस के कुछ पुलिसकर्मी ही ज्यादा सटीकता के साथ सार्थक कर सकते हैं। उत्तराखंड में पॉलिटेक्निक की परीक्षा में दरोगा के बेटे को नकल करने से रोकना दरोगा पिता को पसंद नहीं आया और अपने बच्चों की गलती मानने के बजाय शिक्षकों के साथ ही मारपीट करते हुए कॉलेज की संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने लगा। शुक्रहै कि सीसीटीवी में बेलगाम दरोगा और उसके साथियों की हरकत रिकॉर्ड हो गई अन्यथा वर्दी का रौब शिक्षकों को ही दोषी ठहरा देता। इधर वायरल वीडियो के बाद अधिकारी हरकत में आए और दरोगा को निलंबित कर दिया लेकिन सवाल यह उठते हैं कि जहां एक तरफ प्रदेश के मुखिया नकल रोकने को लेकर कड़े दिशा निर्देश जारी कर रहे हैं तो वही वर्दी वाले ही नकल करने से रोकने पर दबंगता दिखा रहे हैं। यह पहला मामला नहीं है जब वर्दी की आड़ में आम लोगों के साथ गलत तरीके से पुलिस कर्मियों द्वारा मारपीट की गई है। यहां "उल्टा चोर कोतवाल को डांटे" की तर्ज पर शिक्षकों पर भी मुकदमा दर्ज कर दिया गया। अब प्रदेश के शिक्षक संगठन दरोगा की इस हरकत पर गुस्से में है और यह बात किसी से छिपा नहीं है कि प्रदेश में शिक्षकों के अलग–अलग संगठन है और यदि वह आंदोलन पर उतारू हुए तो इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है। यहां पॉलिटेक्निक विभाग को उन दोनों छात्रों को भी रे स्टिकेट करना चाहिए जो खुले आम नकल कर रहे थे। पुलिस का काम अनैतिक कार्यों को रोकना है ना कि खुद किसी के प्रतिष्ठान में घुसकर गलत को सही बताने का राग गाने लगे। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ जनता में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण तैयार करना भी पुलिस की जिम्मेदारी होती है। इसलिए आम जनता के साथ पुलिस का व्यवहार संवेदनशील, सम्मानजनक और निष्पक्ष होना चाहिए।

वर्दी का रौब दिखाने के बजाय पुलिस का आचरण पारदर्शी और जवाबदेई होना चाहिए। शिकायत दर्ज कराने आए व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान करना, उसे इधर–उधर भटकाना या उसकी शिकायत को नजरअंदाज करना जनता के विश्वास को कमजोर करता है। पुलिस को कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए और प्रत्येक कदम की उचित जानकारी शिकायतकर्ता को देनी चाहिए। इस प्रकरण में ऐसा कहीं भी नहीं लगा कि यह दरोगा न्याय संगत कार्य कर रहा है। नकल से रोकना यदि अपराध है तो फिर प्रदेश के नकल विरोधी कानून का भी क्या औचित्य रह जाता है। पुलिस को अपनी शक्ति का उपयोग संयम और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

अनावश्यक बल प्रयोग, अभद्र भाषा या डराने–धमकाने की प्रवृत्ति उचित नहीं है। एक अच्छी पुलिस वही मानी जाती है जो जनता का विश्वास जीतकर कानून का पालन कराए। पुलिस और जनता का संबंध भय का नहीं, बल्कि विश्वास और सहयोग का होना चाहिए। जब पुलिस आम नागरिकों के साथ सम्मान, संवेदनशीलता, निष्पक्षता और मानवता का व्यवहार करती है, तब कानून–व्यवस्था मजबूत होती है और समाज में न्याय के प्रति विश्वास बढ़ता है। बहरहाल दरोगा को निलंबित किया गया है लेकिन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि मित्र पुलिस की छवि पर दाग लगाने वाले ऐसे पुलिसकर्मियों की हरकतों पर आखिर रोक कैसे लगाई जाए?

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं ...

दिलीप कुमार पाठक

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अखबारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेजुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो जहर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब जरूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुमार्ना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोचेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

मनोज कुमार अग्रवाल

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गएं हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है।

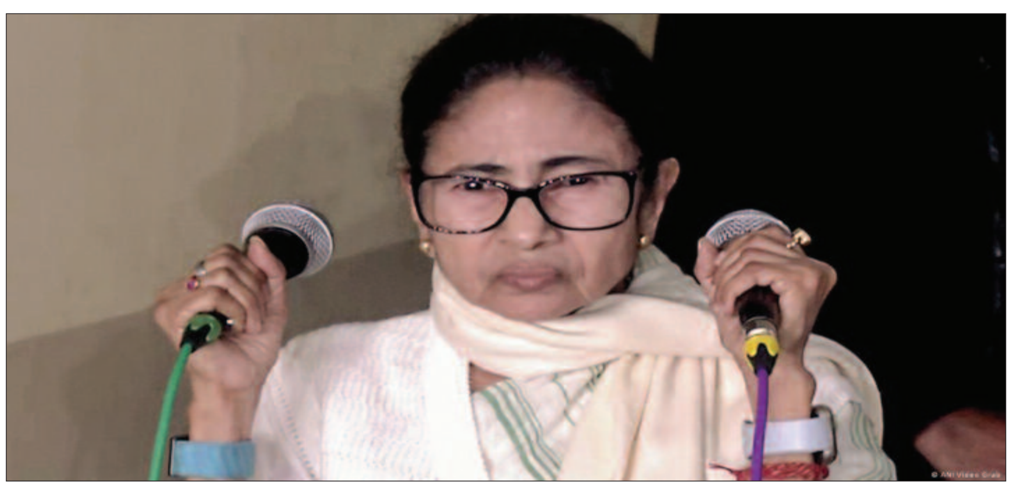

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताब्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रिताब्रता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

सहारा रेगिस्तान में ट्रक फंसा, प्यास से 49 लोगों की मौत

हारौबा, एजेंसी। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में प्यास से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे, वह रास्ते में खराब हो गया था। यात्रियों ने कई दिनों तक इसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। यह ट्रक माली के हारौबा शहर से रवाना हुआ था, जो नाइजर सीमा से 300 किलोमीटर से अधिक दूर है। वे एक मुस्लिम धार्मिक उत्सव में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। यात्रा के दौरान उनका ट्रक खराब हो गया। वे रेगिस्तान के ऐसी जगह फंस गए थे जहां बेहद ज्यादा तापमान होता है। वहां पानी और बाकी जरूरी सामान मिलना बहुत मुश्किल होता है। ऐसी जगह फंस जाने के कारण उनके पास मौजूद पानी खत्म हो गया। इस हादसे में केवल दो लोग बच पाए। उन्होंने किसी तरह रेगिस्तान पार कर नजदीकी शहर असामाका तक पहुंचने में सफलता हासिल की और वहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो ट्रक के नीचे और उसके आसपास दर्जनों शव पड़े मिले। बचाव टीम ने मृतकों के शवों को सामूहिक कब्र में दफना दिया। घटनास्थल से लौटते समय बचाव दल को एक और खराब ट्रक मिला। इस ट्रक में 60 से अधिक लोग सवार थे, जो बैटरी खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से रेगिस्तान में फंसे हुए थे। बचाव टीम ने थके हुए और परेशान यात्रियों को पानी दिया। साथ ही उन्होंने ट्रक की मरम्मत में मदद की, जिसके बाद वे वापस लौट पाए।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक झुका, अगला हिस्सा जमीन पर गिरा; कई कर्मचारी घायल

बर्लिन, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका : आव्रजन नीति पर अदालत की रोक

बोस्टान , एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन को बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने उस विवादित नीति को रद्द कर दिया है, जिसके तहत 39 देशों के प्रवासियों के शरण, वर्क परमिट, ग्रीन कार्ड और नागरिकता से जुड़े मामलों पर गंभीर असर पड़ रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह नीति हजारों प्रवासियों को कानूनी अनिश्चितता में धकेल रही थी और इसे लागू करने वाली एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। अदालत ने नीति को बताया मनमाना और कानून के खिलाफ अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककॉनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (स्टद्धस्) ने ऐसी शक्तियों का दावा किया, जो उसे कानूनन प्राप्त नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा कि एजेंसी ने बिना पर्याप्त और तर्कसंगत स्पष्टीकरण दिए फैसले लिए और उन लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने मौजूदा नियमों के आधार पर आवेदन किए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिए गए कई तर्क वास्तविकता से मेल नहीं खाते और इन नीतियों में प्रवासियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण झलकता है।

अफ्रीका में इबोला का बढ़ता खतरा

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 452 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 82 लोगों की मौत हो गई है। 4 जून को ही 71 नए मामले और 21 मौतें दर्ज की गईं, जिससे सामुदायिक संक्रमण की गंभीरता बढ़ गई है। वर्तमान में 258 मरीज इलाज या आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने कमजोर संपर्क-ट्रेसिंग, दवाओं और चिकित्सा संसाधनों की कमी तथा 2.15 करोड़ डॉलर की फंडिंग कमी जैसी चुनौतियां हैं। पड़ोसी युगांडा में भी तीन नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने जून से नवंबर तक के लिए 518 मिलियन डॉलर की महाद्वीपीय इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए हैं।

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव , एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव : बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और

लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान-हिजबुल्ला पर क्या कहा : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा। युद्ध की मार से तबाह हुए कई गांव दक्षिणी लेबनान के काफी इलाके पहले ही युद्ध की वजह से भारी तबाही झेल चुके हैं। कई गांव खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इनमें मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव भी शामिल है, जहां से इस्राइली सैनिक एक दिन पहले ही पीछे हटे थे।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी, लोगों में बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके में पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित तैनाती पीओजेके के प्रधानमंत्री द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के उलट है। पहले उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण जन-प्रदर्शनों से निपटने के लिए बल या जबरदस्ती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है।

'ईरान ने पहले उकसावे की कार्रवाई नहीं की' : रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए।

पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्तों का हवाला : पुतिन ने कहा कि रूस के खाड़ी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं और वह सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान और अरब देशों दोनों के साथ रूस के मजबूत संबंध हैं, जिससे स्थिति को समझना और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी तरह की शांति वार्ता या मध्यस्थता प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि रूस से कोई भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, तो वह पीछे नहीं हटेगा।

ट्रंप के युद्धविराम निर्णय का समर्थन : रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संघर्ष रोकने की बात कही थी। पुतिन ने कहा कि यह निर्णय सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका ने मार गिराए ईरान के ड्रोन, रडार ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही, अमेरिका सेना ने ईरान के तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस क्षेत्र में जहाजों के लिए तत्काल खतरा महसूस होने पर कार्रवाई की। सेंटकॉम ने कहा, 'कुछ ही देर पहले सेना ने ईरान के चार वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया, जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट की ओर भेजा गया था। ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे।' सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने देश के दक्षिणी तट पर ईरान के निगरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी हमले किए। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों ने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, सेंटकॉम ने हताहतों, नुकसान के आकलन या ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए विमान और हथियारों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि क्या ड्रोन ने किसी कमर्शियल जहाज को सीधे निशाना बनाया था। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में मौजूद है और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल शिपिंग की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख समुद्री रास्तों पर नियमित रूप से गश्त करती है।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बल जरूरत पड़ने पर और कार्रवाई के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल सतर्क हैं और आत्मरक्षा में ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' फिलहाल, इस ताजा घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।

हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की उनके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 44 वर्षीय माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है, जो हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। घटना बुधवार सुबह की है, जब पुलिस को फोन पर संदिग्ध ने एक पापी व्यक्ति को मारने की बात कही। मौके पर पहुंचने पर 81 वर्षीय हैंडी घर के सामने बेहोश मिले, जिन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ग्लेडहिल उसी घर में रहता था। और उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जुमांजी और टॉप गनः मेवरिक जैसी फिल्मों से चर्चित हैंडी के निधन से मनोरंजन जगत स्तब्ध है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में उनकी गर्लफ्रेंड के 44 साल के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है। 911 कॉल से मिली जानकारी लॉस एंजिल्स पुलिस को बुधवार को एक विचलित करने वाला 911 कॉल मिला था। कॉल करने वाले शख्स ने डिस्पैचर से कहा था, 'मैं इंसान का बेटा हूं, मैंने अभी-अभी पाप के पुतले को मार दिया है।' इस सूचना के तुरंत बाद जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। यहां जेम्स हैंडी घर के सामने वाले हिस्से (फ्रंट यार्ड) में बेहोश पड़े मिले। उनके सीने पर चाकू के कई गहरे जख्म थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्लफ्रेंड का बेटा निकला हमलावर पुलिस जांच में सामने आया है कि हमला करने वाला शख्स 44 साल का माइकल ग्लेडहिल है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस से संपर्क किया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। जांच अधिकारियों के मुताबिक, माइकल जेम्स हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। हत्या के समय वह अपनी मां के घर पर ही रह रहा था। पुलिस ने उसे मर्डर के संदेह में मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और कपड़े मिले घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध शख्स घर के पास से आराम से पैदल गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही क्राइम सीन की तस्वीरों में घर के सामने कुछ कपड़े भी छूटे हुए मिले हैं।

पुलिस इन सभी सबूतों की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की मुख्य वजह या मकसद का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच अभी जारी है। जेम्स हैंडी का हॉलीवुड करियर जेम्स हैंडी ने हॉलीवुड में कई दशकों तक काम किया था और उनके नाम करीब 150 फिल्में और टीवी शोज दर्ज हैं। उन्होंने 'जुमानजी' और 'टॉप गनः मैवेरिक' जैसी सुपरहिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। इसके अलावा वे 'द एक्स-फाइल्स', 'एनवाईपीडी ब्लू' और 'सीनफील्ड' जैसे मशहूर टीवी शोज का भी हिस्सा रहे थे। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा समय बिताया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी।

अस्पताल ले जाते समय हुआ निधन : आपातकालीन सहायता दल के पहुंचने पर अभिनेता बेहोश पाए गए। पैरामेडिक्स उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस मामले में हैंडी की प्रेमिका के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था।

क्या है मामला : 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वेंस ने क्या की टिप्पणी : वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान किया जारी : वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए।

डेमोक्रेट्स ने वेंस की आलोचना की : विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए, चाहे वे कोशिशें वेंस जैसे मागा नेताओं की ओर से हों या ब्रिटेन में उनके समर्थकों की ओर से। इस बीच, हार्ड-राइट पार्टी रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज सहित कई नेताओं ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई को टू-टियर पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के करीब है और उन्होंने ऐलान किया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को 'किसी न किसी तरह' रोका जाएगा। शुक्रवार को विस्कॉन्सिन के चिप्पेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनने से रोकने का अपना मकसद काफी हद तक हासिल कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि हमें परमाणु हथियार के खतरे को खत्म करना था। हम ऐसा नहीं होने देने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है, आप देखेंगे, और किसी न किसी तरह, यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि या तो यह किसी समझौते से खत्म होगा या फिर किसी मुश्किल तरीके से। बता दें कि ट्रंप ने चल रही बातचीत या संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम जल्द ही और स्पष्ट हो जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस स्थिति को ऊर्जा बाजार और अमेरिकी किसानों पर पड़ने वाले खर्च से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा कि आपके लिए खाद की कीमतें काफी कम होने वाली हैं। खाद सस्ती होगी, ऊर्जा सस्ती होगी, और तेल व गैस की कीमतें भी काफी कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान की स्थिति का नतीजा आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हम ईरान के मामले से बहुत

जल्द बाहर निकलेंगे, और यह बहुत मजबूत स्थिति होगी। उन्होंने ये बातें कृषि, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक विस्तृत भाषण के दौरान कहीं। ट्रंप ने बार-बार कहा कि ऊर्जा की कम कीमतें किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी जिक्र किया और दावा किया कि ईरान की नौसेना की संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस अभियान को अमेरिकी सैन्य ताकत का सबूत बताया और कहा कि संघर्ष के दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। उन्होंने कहा कि ऐसी नाकाबंदी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी भी ईरान से जुड़े 'अधूरे कामों' को निपटा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ईरान में कुछ अधूरे कामों को ठीक कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था।

अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के संभावित विदेशी सैन्य सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी की मारक मिसाइलें, विमान सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश विभाग ने की है। सबसे बड़ा पैकेज कुवैत के लिए है, जिसे मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएसए) के प्लेटफॉर्म और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1.98 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से कुवैत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा, क्योंकि इससे उसे मानवरहित हवाई प्रणालियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक और गतिज मारक क्षमताएं मिलेंगी। इस पैकेज में रोडरनर-म्यूनिशन और एनविल-काइनेटिक प्लेटफॉर्म, लॉन्च बॉक्स, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम, सेंट्री टावर, समुद्री सेंट्री टावर, विद्युत चुम्बकीय युद्ध प्रणाली, सामरिक संचालन केंद्र, जनरेटर, प्रशिक्षण, सॉफ्टवेयर विकास और रसद सहायता शामिल हैं।

कुवैत को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा स्थित अंदुरिल कंपनी होगी। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने डेनमार्क को 200 एजीएम-158 जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइलों (जेएएसएसएम-ईआर) और संबंधित उपकरणों की 842 मिलियन डॉलर की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है।

विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री डेनमार्क की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे रॉयल डेनिश वायु सेना (आरडीएएफ) को लंबी दूरी के सटीक हमले करने की क्षमता मिलेगी और आरडीएएफ के एफ-35 विमानों की क्षमता मजबूत होगी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो स्थित लॉकहीड मार्टिन डेनमार्क

को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार होगा। यूनाइटेड किंगडम को भी लगभग 160 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है। ब्रिटेन के अनुरोध में 36 गार्जियन लेजर टरेट असेंबली और 18 एएन/एएक्यू 24(वी)एन बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर सिस्टम प्रोसेसर प्रतिस्थापन के साथ-साथ मिसाइल चेतावनी सेंसर, सहायक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स सहायता शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से बड़े हवाई प्लेटफार्मों को आधुनिक सुरक्षा प्रदान करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए यूनाइटेड किंगडम की क्षमता में सुधार होगा और रॉयल एयर फोर्स की परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी। ब्रिटेन को होने वाली इस बिक्री का प्रमुख ठेकेदार वर्जीनिया के आर्लिंगटन स्थित बोइंग कंपनी होगी। विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित बिक्री से संबंधित क्षेत्रों में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा और अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिकी विदेश सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो द्वारा ये अधिसूचनाएं जारी की गईं। कांग्रेस को अधिसूचना मिलने का मतलब यह नहीं है कि अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए हैं, लेकिन इससे प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो जाता है।

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

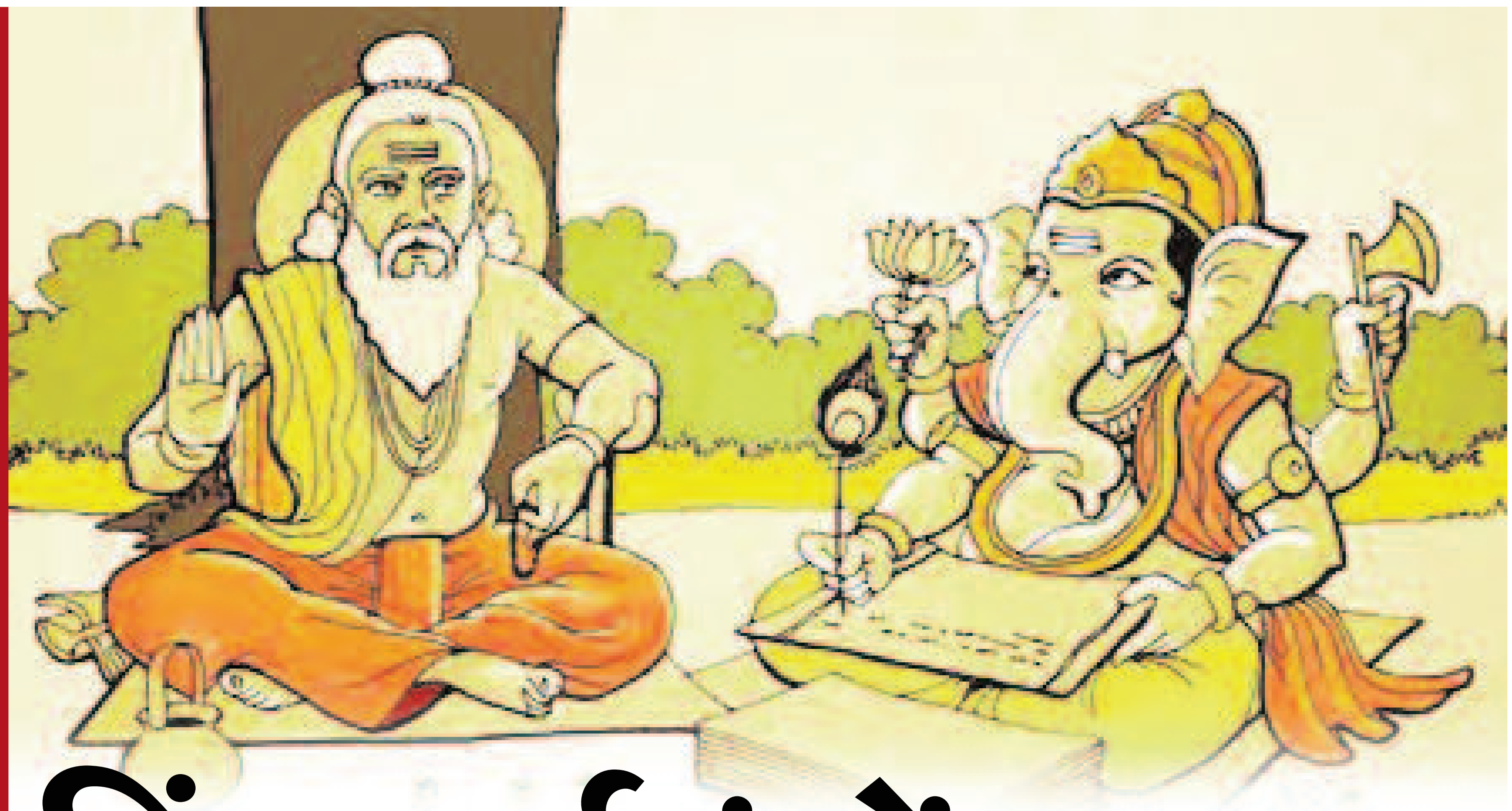

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है– श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति–रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमशः चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं– शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी–बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे– 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10.बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अतः वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार–बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम–नियम और धर्म–कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार–बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म–कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी–देवता, उपासना, प्रार्थना, यम–नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान–भक्ति–कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वतः ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह–नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं– एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग–अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलतः 2 तरह की गतियां होती हैं– 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं– 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4. दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुनः पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों–सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट–कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार– गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं– 1. ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं– अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति–विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति–विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णतः अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही

निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह–नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग–अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग–अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं– मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम्‌ और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्‌, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है– गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म–कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म–कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे– 1.व्रत, 2. सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता–पिता, फिर बहन–बेटी, फिर भाई–बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न–जल देना– ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं– 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3. निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं– ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न–जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा–पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं– 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3. कीर्तन और 4.पूजा–आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग–अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द–गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलतः अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता–पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग–अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न–भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं– 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4. योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

नंदा देवी बायोमॉनिटरिंग एक्सपीडिशन 2026 का शुभारंभ

चमोली। वन, निर्वाचन, विधायी एवं संसदीय कार्य तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने आज चमोली स्थित वन विभाग सभागार में आयोजित नंदा देवी बायोमॉनिटरिंग एक्सपीडिशन 2026 के फ्लैग–ऑफ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड की समृद्ध जैव विविधता, हिमालयी पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। नंदा देवी क्षेत्र विश्व की महत्वपूर्ण पारिस्थितिक धरोहरों में से एक है और इसके वैज्ञानिक अध्ययन से पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में वन्यजीवों, वनस्पतियों एवं पारिस्थितिक तंत्र की वर्तमान स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के साथ–साथ भविष्य की संरक्षण रणनीतियों को मजबूत आधार प्रदान करेगा। राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित करने हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

उत्तरकाशी में डीपीआरओ का पद खाली, पंचायत कार्यों पर असर

उत्तरकाशी। जिला पंचायत राज अधिकारी के 31 मई को सेवानिवृत्त होने के बाद जिला पंचायत राज कार्यालय में नियमित अधिकारी का पद रिक्त हो गया है। इससे पंचायतों से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के समन्वय और निगरानी पर असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, विभाग ने जल्द नए अधिकारी की तैनाती का भरोसा दिलाया है। पंचायती राज विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि डीपीआरओ के सेवानिवृत्त होने के बाद पद रिक्त है। फिलहाल व्यवस्था बनाए रखने के लिए चिन्यालीसौड़ विकासखंड के एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है जो जल्द कार्यभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है और जल्द नए अधिकारी की तैनाती हो जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी ग्राम पंचायतों के प्रशासनिक कार्यों, पंचायत प्रतिनिधियों से समन्वय, विकास योजनाओं की निगरानी, स्वच्छता कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, पंचायत निधियों से जुड़े मामलों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ज्ञानसू साल्ड–ऊपरीकोट से स्यानाचट्टी तक बनाया जाए मार्ग

उत्तरकाशी। गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के बीच यात्रा को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाने वाली सड़क परियोजना को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन सौंपा गया है। उत्तराखंड राज्य औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह पंवार ने मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप ज्ञानसू साल्ड–ऊपरीकोट से स्यानाचट्टी तक मोटर मार्ग निर्माण को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत परियोजना को स्वीकृति दी जा चुकी है और इसके संबंध में शासनादेश भी जारी हो चुका है लेकिन घोषणा के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने परियोजना को जनहित, धार्मिक पर्यटन और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है। प्रस्तावित योजना के अनुसार वर्तमान में ज्ञानसू से ऊपरीकोट तक लगभग 18 किलोमीटर मोटर मार्ग पहले से मौजूद है। लोनिवि के प्रारंभिक सर्वे में ऊपरीकोट से स्यानाचट्टी तक मात्र 3 किलोमीटर सुरंग और 8 किलोमीटर सड़क निर्माण की आवश्यकता बताई गई है। इस प्रकार केवल 11 किलोमीटर नए मार्ग के निर्माण से दोनों क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो सकता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से लगभग 228 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है।

एक नजर

खरादी क्षेत्र में यमुना डायवर्जन का विरोध

उत्तरकाशी। खरादी क्षेत्र के ग्रामीणों ने यमुना नदी में किए जा रहे डायवर्जन कार्य को लेकर नाराजगी जताई है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी बड़कोट को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि यमुना नदी को चैनेलाइजेशन के नाम पर नदी के बहाव को बस्ती की ओर मोड़ा जा रहा है जिससे क्षेत्र में भारी खतरे की आशंका बढ़ गई है। हालांकि सिंचाई विभाग ने इससे पल्ला झाड़ा है। ज्ञापन में बताया गया है कि सिंचाई निर्माण खंड पुरोला की ओर से नगाणगांव क्षेत्र में पोकलेन मशीन यमुना नदी का डायवर्जन कर मलबा दोनों ओर एकत्र किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खरादी की ओर पहले से सरकार ने बाढ़ सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कार्य किए हैं लेकिन वर्तमान कार्यों से सरकारी परिसंपत्तियों के साथ–साथ सैकड़ों आवासीय और व्यावसायिक भवनों पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का डर है कि यदि नदी का प्रवाह इसी तरह बस्ती की ओर रहा तो वर्ष 2013 की आपदा जैसी स्थिति दोबारा उत्पन्न हो सकती है जिससे करोड़ों रुपये की लागत से बने सुरक्षात्मक कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर तत्काल जांच कराई जाए और डायवर्जन से निकले मलबे को पूर्व में बनी सुरक्षा दीवार के अनुरूप व्यवस्थित रूप से डाला जाए। नदी में मनमाने तरीके से हो रहे चैनेलाइजेशन कार्य को लेकर यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल से भी हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में सोवेन्द्र सिंह, प्रमोद सिंह पयाल, प्रज्ञा रावत, कुलबीर रावत, राजेन्द्र रावत, मोहन सिंह पंवार शामिल रहे। इधर सिंचाई विभाग के ईई पन्नी लाल कहते हैं कि खरादी में इस तरह का कोई काम नहीं किया जा रहा है। करीब एक साल पहले दो मशीनों को लगा कर कुछ हिस्से में चैनेलाइजेशन किया गया था वर्तमान में नहीं।

उत्तरकाशी में डीपीआरओ का पद खाली, पंचायत कार्यों पर असर

उत्तरकाशी। जिला पंचायत राज अधिकारी के 31 मई को सेवानिवृत्त होने के बाद जिला पंचायत राज कार्यालय में नियमित अधिकारी का पद रिक्त हो गया है। इससे पंचायतों से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के समन्वय और निगरानी पर असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, विभाग ने जल्द नए अधिकारी की तैनाती का भरोसा दिलाया है। पंचायती राज विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि डीपीआरओ के सेवानिवृत्त होने के बाद पद रिक्त है। फिलहाल व्यवस्था बनाए रखने के लिए चिन्यालीसौड़ विकासखंड के एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है जो जल्द कार्यभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है और जल्द नए अधिकारी की तैनाती हो जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी ग्राम पंचायतों के प्रशासनिक कार्यों, पंचायत प्रतिनिधियों से समन्वय, विकास योजनाओं की निगरानी, स्वच्छता कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, पंचायत निधियों से जुड़े मामलों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में नियमित अधिकारी के अभाव में फाइलों के निस्तारण, पंचायतों से जुड़े पत्राचार और विकास कार्यों की निगरानी में कुछ देरी की स्थिति बनने से दिक्कतें खड़ी हो सकती है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अतिरिक्त प्रभार की व्यवस्था से जरूरी कार्यों को जारी रखा जाएगा, ताकि ग्राम पंचायतों और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हादसों में चार लोग घायल

रुद्रप्रयाग। रविवार को हुए दो अलग–अलग हादसों में चार लोग घायल हुए। दोपहर को तिलवाड़ा के नौलापानी क्षेत्र में कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग पहुंचाया। उधर घिमतोली–कोटखाल के समीप भी रविवार दोपहर एक स्कूटी सड़क से नीचे गिर गई। यहां भी दो लोग घायल हो गए। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दोनों घटनाओं की सूचना मिलते ही डीडीआरएफ, एसडीआरएफ और 108 एंबुलेंस को मौके के लिए रवाना किया गया। रेस्क्यू टीमों ने घायलों को अस्पताल ले जाया गया। घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

चेकिंग में पकड़ा गया स्मैक तस्कर

पिथौरागढ़। नगर में एक व्यक्ति के पास से पुलिस ने 12.80 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। नगर में एसओजी प्रभारी नीरज भाकुनी के नेतृत्व में टीम ने पिथौरागढ़–सुकौली रोड पर चेकिंग अभियान चलाया। सुकौली सड़क स्थित एक कैफे से एक संदिग्ध युवक निकला और पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने संदेह होने पर पुलिस टीम ने युवक को वहीं पर पकड लिया और पूछताछ की। तलाशी के दौरान बजेटी निवासी ललित सेठी के पास से 12.80 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोतवाली पिथौरागढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। स्मैक के स्त्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों को लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

शारीरिक दक्षता के बाद 77 अभ्यर्थी सफल

बागेश्वर। बागेश्वर जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की जा रही है। जिसमें प्रति दिन 200 अभ्यर्थियों को बुलाया जा रहा है। रविवार को 200 में से 138 अभ्यर्थी ही भर्ती में शामिल हुए। माप–तौल के दौरान 15 अभ्यर्थी निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर सके और बाहर हो गए। जबकि 123 अभ्यर्थियों ने यह चरण सफलतापूर्वक पार किया। दौड़ प्रतियोगिता में 46 अभ्यर्थी बाहर हो गए। जबकि 77 अभ्यर्थी ही पूरी प्रक्रिया में पास हो सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने छठ स्थल के निर्माण कार्यों का जायजा लिया

रुद्रपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या ने डीएम नितिन सिंह भदौरिया और सीडीओ दिवेश शाशनी के साथ खटीमा में निर्माणाधीन छठ स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। शनिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष ने वन विभाग की टीम के साथ दूरस्थ ग्राम बग्गा–54 का भी निरीक्षण किया। क्षेत्र में सरपुरा से बग्गा–54 तक लगभग पांच किलोमीटर लंबे खड़ंजा मार्ग का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, जिसका उन्होंने जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मार्ग निर्माण पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस दौरान उन्होंने काली मंदिर की चहारदीवारी निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया। साथ ही वन विभाग और ग्रामीणों के बीच रास्ते एवं अन्य विकास कार्यों को लेकर आ रही समस्याओं का समाधान कराया। बड़िया लाइन के किनारे अतिक्रमण रोकने के लिए खाई निर्माण कार्य भी जारी है। ग्रामीणों की मांग पर उनके हस्तक्षेप से आवागमन के लिए रास्ता उपलब्ध कराने पर सहमति बनी।

रामनगर में चेन चोरी का खुलासा न होने पर व्यापारियों में रोष

हल्द्वानी। रामनगर में बीती 25 मई को कलश यात्रा के दौरान चार महिलाओं से लाखों रुपये की सोने की चेनें लूटने और जेब काटने की घटना का खुलासा न होने पर व्यापारियों ने नाराजगी जताई है। रविवार को कोसी रोड स्थित रामलीला परिसर में व्यापारियों और पीड़ित परिवारों की बैठक हुई, जिसमें कोतवाल सुशील कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंचे। कोतवाल ने शीघ्र खुलासे का आश्वासन देते हुए सहयोग की अपील की। व्यापारियों ने बाजार में बढ़ती चोरियों पर चिंता जताते हुए पुलिस गश्त बढ़ाने और घटना का जल्द अनावरण करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह में चोर नहीं पकड़े गए, तो उग्र आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र खाती, सभासद शिवी अग्रवाल, व्यापारी शलभ मित्तल, मनमोहन अग्रवाल, शरद मेहरोत्रा, राजू मेहरोत्रा, विशाल, अजय अग्रवाल, कविन गुप्ता, राहुल अग्रवाल आदि मौजूद रहें।

थत्यूड़ बाजार में नहीं है कूड़ा निस्तारण की नियमित व्यवस्था

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ बाजार में कूड़ा निस्तारण की नियमित व्यवस्था नहीं होने से बाजार में जगह–जगह बिखरा कूड़ा लोगों के लिए परेशानी का सबब बना है। बाजार में कहीं अस्थायी कूड़ादान नहीं होने के कारण लोग अगलाड़ नदी में कूड़ा फेंक रहे हैं जिससे नदी दूषित हो रही है। स्थानीय लोगों ने कूड़ा निस्तारण की नियमित व्यवस्था करने की मांग की है। थत्यूड़ बाजार में कूड़ा बड़ी समस्या है। करीब चार हजार की आबादी वाले बाजार में कूड़ा रखने के लिए अस्थायी कूड़ादान भी नहीं रखा गया है जिससे लोग अपने घरों का कूड़ा बाजार के पास अगलाड़ नदी और बेलगरा गदेरे में फेंकने को मजबूर हैं। सफाई कर्मचारी के सामने भी बाजार का कूड़ा निस्तारण की समस्या बनी रहती है जिससे बाजार में रोजाना सफाई का कूड़ा भी अगलाड़ नदी में डालने की मजबूरी बनी है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अकवीर पंवार, महामंत्री विक्रम चौहान, राकेश सजवाण, रमेश रावत, कृपाल सिंह रावत और कुलदीप असवाल ने बताया कि जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ बाजार में कूड़ा निस्तारण वाहन 10 से 15 दिनों बाद आता है। इतने दिनों तक कूड़ा घर में रखना खासा मुश्किल है जिससे लोग अपने घर और दुकान का कूड़ा अगलाड़ नदी और वेलगरा गदेरे में फेंकने को मजबूर हैं। इससे नदी दूषित हो रही है। उन्होंने थत्यूड़ बाजार में कूड़ा निस्तारण वाहन नियमित रूप से भेजने की मांग की है।

घास काट रही महिला पर मगरमच्छ ने किया हमला

रुद्रपुर। बिडौरा मझोला गांव में खकरा नदी के किनारे घास काट रही एक महिला पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मगरमच्छ महिला को खींचकर नदी की ओर ले जाने लगा, लेकिन आसपास मौजूद महिलाओं ने साहस का परिचय देते हुए उसे बचा लिया। घायल महिला को उप जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। रविवार सुबह 45 वर्षीय तुलसी गिरि पत्नी धन गिरि गोस्वामी निवासी बिडौरा मझोला, गांव की अन्य महिलाओं के साथ मवेशियों के लिए चारा लेने खकरा नदी के किनारे गई थीं।

घास काटने के दौरान अचानक मगरमच्छ ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें खींचने लगा। चीख–पुकार सुनकर आसपास घास काट रही महिलाएं मौके पर पहुंचीं और तुलसी को मगरमच्छ से बचाया। घायल तुलसी को उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। बाराकोली रेंज के रेंजर कैलाश गुणवंत ने बताया कि महिला को बेहतर उपचार के लिए हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई है।

आतंकवाद विरोधी अभियान में शहीद हुए अल्मोड़ा के लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी

अल्मोड़ा। जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान अल्मोड़ा के युवा सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी शहीद हो गए। शनिवार शाम ऑपरेशन शेरावाली के दौरान वह तलाशी दल का नेतृत्व कर रहे थे। इसी दौरान दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में संतुलन बिगड़ने से वह गहरी खाई में गिर गए। साथी जवानों ने तत्काल बचाव अभियान चलाया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। अथरबनी, पाण्डेखोला निवासी तथा मूल रूप से बाड़ी, बग्वालीपोखर के रहने वाले लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी 5 असम रेजिमेंट में तैनात थे। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने मातृभूमि की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कक्षा 6 से 8 तक की शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल रानीखेत, कक्षा 9 से 12 तक सैनिक स्कूल घोड़ाखाल तथा स्नातक की पढ़ाई ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय से पूरी की थी। वह स्नातक में रजत पदक विजेता रहे थे। उन्होंने एनडीए परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी। सेना में शामिल होने से पहले उनका चयन कैट, एनएलयू तथा इंग्लैंड के एक विश्वविद्यालय में भी हुआ था। मृदुभाषी और प्रतिभाशाली बीरेश्वर जनवरी 2023 में सेना में शामिल हुए थे और जून 2024 में उन्हें कमीशन प्राप्त हुआ था। परिजनों के अनुसार दो दिन बाद उनका कैप्टन पद पर पदोन्नति होना भी प्रस्तावित था। दो भाइयों में छोटे बीरेश्वर बचपन से ही सेना में जाने का सपना देखते थे। उनके पिता प्रमोद गोस्वामी भनोली तहसील में मुख्य प्रशासनिक पद पर कार्यरत हैं, जबकि माता सरस्वती गोस्वामी प्राथमिक विद्यालय वलसा में प्रधानाध्यापिका हैं।

सात लाख के गांजे के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

अल्मोड़ा। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत भतरौजखान पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 28 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत करीब सात लाख रुपये आंकी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में भतरौजखान पुलिस व एसओजी की टीम ने बाड़ीकोट तिराहे, भिकियासैंण में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्विफ्ट डिजायर कार संख्या यूके–18वी–5195 की तलाशी लेने पर उसमें सवार चार लोगों के कब्जे से 28 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने काशीपुर निवासी गुरदयाल सिंह, हरदयाल सिंह, रामपुर निवासी हरप्रीत सिंह पुत्र जागीर सिंह तथा काशीपुर निवासी हरप्रीत सिंह पुत्र जसवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। वाहन को एनडीपीएस अधिनियम के तहत सीज कर थाना भतरौजखान में धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पहाड़ों में घूमने की आड़ में गांजे की तस्करी कर रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट असेंबली में हल्द्वानी क्लब को मिला सम्मान

हल्द्वानी। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 311 की 56वीं डिस्ट्रिक्ट असेंबली में इनर व्हील क्लब ऑफ हल्द्वानी की अध्यक्ष मधुर अग्रवाल के नेतृत्व में 31 सदस्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में क्लब की उत्कृष्ट उपलब्धियों और विभिन्न सामाजिक प्रोजेक्ट्स के लिए क्लब पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ. सुरुचि सक्सेना ने क्लब अध्यक्ष को प्रतिष्ठित फाइव स्टार प्रेसिडेंट अवार्ड सहित विभिन्न परियोजनाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। वहीं, डिस्ट्रिक्ट ईएसओ ज्योति मित्तल ने उन्हें एक्सेप्शनल मेम्बरशिप ग्रोथ अवार्ड दिया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी डॉ. नीलू मिश्रा ने क्लब सेक्रेटरी निवेदिता पांडे को बेस्ट सेक्रेटरी अवार्ड से सम्मानित किया। डिस्ट्रिक्ट आईएसओ मंजू पारीक ने क्लब की आईएसओ सुशीला भाकुनी को प्रमाणपत्र व विशेष उपहार भेंट किया।

ट्रैकिंग कंपनियों को अब ग्राम पंचायत को देना होगा पर्यावरण संरक्षण शुल्क

उत्तरकाशी। विकासखंड मोरी की ग्राम पंचायत गंगाड़ ने क्षेत्र में बढ़ रही ट्रैकिंग गतिविधियों को देखते हुए ट्रैकिंग कंपनियों के लिए नए नियम लागू किए हैं। पंचायत का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला ग्राम सभा की खुली बैठक में लिया गया। अब क्षेत्र में ट्रैकिंग कराने वाली कंपनियों को पंचायत के नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। अब प्रत्येक कंपनी को पंचायत में 2,000 रुपये स्थानीय विकास और पर्यावरण संरक्षण शुल्क जमा करना होगा। ट्रैकिंग के दौरान निकलने वाले प्लास्टिक और अन्य कचरे को वापस लाना भी अनिवार्य रहेगा। ट्रैक मार्गों, बुग्यालों और प्राकृतिक स्थलों पर किसी भी तरह का कचरा फेंकने या छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। ग्राम पंचायत ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने पर भी जोर दिया है। पंचायत के अनुसार सभी ट्रैकर्स और ट्रैकिंग कंपनियों को स्थानीय परंपराओं एवं रीति–रिवाजों का सम्मान करना होगा। बिना पंचायत की अनुमति के कैंप स्थापित करने अथवा फिल्मांकन करने पर संबंधित कंपनी के खिलाफ 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त जल स्त्रोतों, बुग्यालों, धारों व चारागाह क्षेत्रों को प्रदूषित करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मतदाता जागरुकता रथों को दिखाई हरी झंडी

बागेश्वर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल ने जिले की दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदाता जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण पहल है।

साथ ही नागरिकों से मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतन कार्य में सहयोग देने तथा बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम–2026 को सफल बनाने और मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाएगा कि आठ जून से सात जुलाई तक बीएलओ घर–घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण और संकलन करेंगे।

यदि कोई मतदाता पहली बार घर पर नहीं मिलता है तो बीएलओ तीन बार संपर्क का प्रयास करेंगे। मतदाता ईसीआई नेट, वोटर हेल्पलाइन ऐप और निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से गणना प्रपत्र डाउनलोड कर ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं।

7 सूत्री मांगों को लेकर आज से आंदोलन शुरू करेंगे आयुर्वेदिक डॉक्टर

हल्द्वानी। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ ने 7 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार से क्रमवद्ध आंदोलन की घोषणा की है। मामले में जल्द ठोस कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी गई है। आंदोलन के पहले चरण में 8 से 10 जून को काली पट्टी बांध कर सांकेतिक विरोध दर्ज कराते हुए ओपीडी का संचालन करेंगे। 11 व 12 जून को आधे दिन ओपीडी और 13 जून से ओपीडी बंद करते हुए 50 बेड वाले आयुष अस्पताल में धरना प्रदर्शन किया जाएगा

ये हैं प्रमुख मांगें:

चिकित्सा संवर्ग के लिए विभागीय निदेशक की नियुक्ति, एआरसी समयबद्ध पूर्ण कर एसीपी–एमएसीपी लाभ देने, डीएसीपी लाभ लागू किए जाने, विभागीय ढांचे के पुनर्गठन एवं पदोन्नति अवसर बढ़ाने, चिकित्सा अधिकारी संवर्ग को सेवा अवधि के दौरान स्नातकोत्तर पाठयक्रमों के लिए 3 वर्ष व पूर्ण वेतन और अध्यन अवकाश देने, वर्ष 2024 बैच के चिकित्साधिकारियों के स्थायीकरण करने व मोबाइल एप अधारित उपस्थिति एवं आधार आधारित बायोमेट्रिक्स व्यवस्था से उत्पन समस्याओं का निराकरण। संघ के महासचिव डॉ. हरेदव सिंह रावत ने बताया कि संगठन अपनी मांगों को शासने के सामने कई बार उठा चुका है, लेकिन मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के चलते क्रमवद्ध आंदोलन का निर्णय लिया गया है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और - इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ÷वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

–बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर–बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर–बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ–साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर–बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

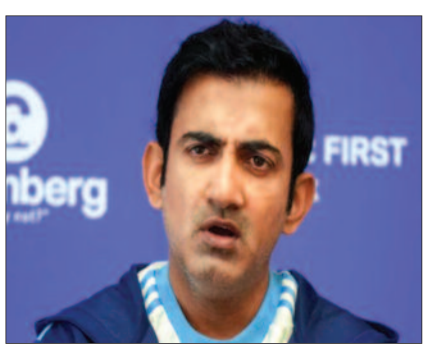

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, 'श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्ढक्चरु में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'